


---

# Matangi Ashtottarashatanama Stotram

——  
मातङ्ग्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

——  

## Document Information



---

Text title : Matangi Ashtottarashatanama Stotram 2

File name : mAtangyaShTotttarashatanAmastotram2.itx

Category : aShTotttarashatanAma, devii, stotra, devI, dashamahAvidyA

Location : doc\_devii

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description-comments : Kalivilasatantra

Latest update : March 23, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 23, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Matangi Ashtottarashatanama Stotram

---

### मातङ्ग्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

---



(अथ श्रीकालीविलासतन्त्रे समदशपटलः ।)

श्रीतामस उवाच ।

मातङ्गी शतनामानो-दान्नीं कलिमते शृणु ।

यस्य प्रसादा दीशोऽहं पार्वति प्राणवल्लभे ॥ १ ॥

अस्य श्रीमातङ्गी शतनामस्तोत्रस्य श्रीकृष्ण

ऋषिर्गायत्रीस्थः श्रीमातङ्गी देवता यतुर्वर्ग

सिद्ध्ये विनियोगः ॥

ॐ माधवी मथुरा मत्ता माननीया मदीद्धता ।

मान्या य मानदात्री य मनीषा मानमोहिनी ॥ २ ॥

मथुरा माधवी मध्या मानसी मनमोहिनी ।

माधुरा मानयोग्या य मत्तमातङ्गगामिनी ॥ ३ ॥

मेनका मानवी मेधा मटना मदनोत्तरा ।

मत्ता प्रमत्ता मटना मोटना मदनोद्धता ॥ ४ ॥

माननी मानयोग्या य मेखला मरमोहिनी ।

मनोरुपा उन्मनी य माषामेधामदीद्धता ॥ ५ ॥

निमेषा निर्निमेषा य मानगी मथुरा तथा ।

मदमत्ता मडामत्ता मानदा मधुसूदनी ॥ ६ ॥

मतिर्माता मडालक्ष्मीर्नित्या मदनपीडिता ।

मेघविद्युत्प्रभाकाशा मेघानन्दप्रवर्द्धिनी ॥ ७ ॥

मटना मदरुपा य मुनिगुह्या मुनिस्तुता ।

अर्थरुपा मडामेधा माया मत्ता स्वरूपिणी ॥ ८ ॥

मुकुन्दपूजिता मौनी मौनप्रतपरायणा ।

मेधा मेधावती मध्या मधना मधनातुरा ॥ ८ ॥

मानुषी य मनोरुपा मलामोहस्वरूपिणी ।

तरुणी तरुणी तारा तारिणी तरलेक्षणा ॥ १० ॥

तुरोया य तथा तुथ्या तुल्या य तामसी तिथिः ।

तीर्थातीर्थ मयी तीर्थरूपिणी तामसान्तरा ॥ ११ ॥

तपस्या तापसी तापा तपना तुलना धृति ।

गोलोकवासिनी गम्या गुण्डा गुण्डरूपिणी ॥ १२ ॥

गौरी य गोपिनी गौरा गानागानस्वरूपिणी ।

गिरीशा गिरिशा गन्धा गगणा गगणेश्वरी ॥ १३ ॥

ठकाररूपिणी नित्या ठश्वरी ठश्वरप्रिया ।

सङ्गृह्य धृति ते देवि शतनाम धृतीरितम् ॥ १४ ॥

त्रिसन्धयः पठेन्नित्यं तस्य सिद्धिर्न संशयः ॥ १५ ॥


धृति श्रीकालीविलासतन्त्रे श्रीमातङ्गीशतनामस्तोत्रं समाप्तम् ।

ॐ तत्सदित्यादि ।


धृति श्रीकालीविलासतन्त्रे सप्तदशपटलः समाप्तः ।

Proofread by Rajesh Thyagarajan

---

——  
*Matangi Ashtottarashatanama Stotram*

pdf was typeset on March 23, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

